SPICES BOARD
(Ministry of Commerce and Industry
Government of India)
Sugandha Bhavan
N.H. By-pass
P.B. No. 2277
Palarivattom P.O.
Cochin - 682 025, India

स्पाइसेस बोर्ड
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
भारत सरकार)
सुगन्ध भवन
एन. एच. बाइपास
पी. बी. नं. 2277
पालारिवट्टम पी.ओ.
कोचिन - 682 025, भारत

प्रेस विज्ञप्ति

गुजरात में स्पाइसेस बोर्ड की प्रथम क्रेता–विक्रेता बैठक में मसाला उत्पादक और भारतीय निर्यातक एक मंच पर आए

अहमदाबाद, 13 अक्टूबर : स्पाइसेस बोर्ड द्वारा एशिया के सबसे बड़े मसाला बाजार, उंझा में आयोजित मसाला उत्पादकों और निर्यातकों की बैठक में गुजरात के परम्परागत मसाला उत्पादकों को पूरे देश के निर्यातकों के साथ सीधा संवाद करने का पहली बार मौका मिला।

लगभग 200 हितधारकों ने मसालों की अपनी आपूर्ति क्षमताओं और बाजार की आवश्यकताओं के साथ–साथ वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप व्यापक उपायों पर व्यापक विचार–विमर्श किया।

मेहसाणा की सांसद श्रीमती जयश्रीबेन कणुभाई पटेल ने शुक्रवार को उंझा के होटल कारवां में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उद्घाटन संबोधन दिया।

स्पाइसेस बोर्ड के प्रयासों और पहल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, ''गुजरात में मसालों के खेत में वृद्धि हुई है और पिछले दो वर्षों में मसालों के उत्पादन में भी वृद्धि हुई है। स्पाइसेस बोर्ड जमीनी स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है जो प्रशंसनीय है। केंद्र और राज्य सरकार गुजरात में किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।''

उन्होंने स्पाइसेस बोर्ड किसानों को उनके उपज के लिए उचित मूल्य प्राप्त करने में मदद करने के लिए एक तंत्र सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

बैठक में प्रगतिशील किसानों, मसाला उत्पादक समुदायों, कृषि उद्यमियों, सेवा प्रदाताओं, स्थानीय डीलरों और निर्यातकों के बीच भावी कारोबार पर मंथन किया गया।

खेती और व्यापारियों के नेताओं ने देश भर के मसाला निर्यातकों और प्रोसेसर के साथ जीरा, सौंफ, मेथी, शत पुष्प (डिल सीड), अजवाइन, सरसों, तिल, लहसुन और धनिया जैसे मसालों के व्यापार के बारे में बात की।

उंझा के विधायक श्री नारायणभाई ललुदास पटेल ने अपने अध्यक्षीय भाषण के दौरान कहा, ''निर्यातकों ने गुजरात के मसालों को दुनिया भर के बाजारों तक पहुंचाने में मदद की है और हमने उच्च गुणवत्ता वाले मसालों की आपूर्ति करने के लिए प्रतिष्ठा हासिल की है।''

स्पाइसेस बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. ए. जयतिलक ने कहा कि इस बैठक से गुजरात में और अधिक व्यापार सौदे होने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''मसालों के व्यापार के लिए भारत में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए यह एक बड़ा कदम है। हमने शुरूआत कर दी है।''

2016–17 में, गुजरात में निर्यातकों के प्रदर्शन में पिछले साल की तुलना में मात्रा के मामले में लगभग 27 प्रतिशत की वृद्धि और मूल्य के मामले में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

अध्यक्ष ने कहा, ''बीज वाले मसालों के लिए प्रमुख उत्पादन और व्यापार केंद्र, गुजरात में बीज वाले मसालों के निर्यात केंद्र के रूप में भी विकसित होने की क्षमता है। अधिक से अधिक किसानों को क्षेत्र से मसालों के निर्यातकों के रूप में आगे आना चाहिए।''

गुजरात के कृषि, किसान कल्याण और सहयोग के प्रमुख सचिव श्री संजय प्रसाद (आईएएस) ने स्पाइसेस बोर्ड से दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों के द्वारा निर्धारित उत्पादों के निर्यात मानकों को लोकप्रिय बनाने के लिए आग्रह किया।